अब मनमोहन भी बोले आईपीसीसी के पक्ष में

आईएएनएस । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की तरफदारी करते हुए कहा, भारत का इसमें पूरा भरोसा है। प्रधानमंत्री ने 10वें दिल्ली स्थायी विकास शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

मनमोहन ने कोपनहेगन सम्मेलन को मिलने वाली सीमित सफलता पर अफसोस जताया। उन्होंने कहा, कोपनहेगन समझौता संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में होने वाली बातचीत का विकल्प नहीं है। अपने भाषण में उन्होंने आईपीसीसी और उसके प्रमुख आर. के. पचौरी का बचाव करते हुए कहा, साइंस के कुछ पहलुओं पर आईपीसीसी की काफी आलोचना हुई है। लेकिन इस बहस से आईपीसीसी द्वारा दी गई चेतावनियों की गंभीरता कम नहीं होती। और न ही बढ़ते टेंपरेचर, बारिश और बढ़ते समुद्र स्तर पर ग्रीनहाउस इफेक्ट का असर ही नजरअंदाज किया जा सकता। मैं यह कहना चाहता हूं कि भारत को आईपीसीसी में और उसके नेतृत्व में पूरा भरोसा है। जरूरत पड़ने पर उसकी हर मुमकिन मदद की जाएगी।

मैं यह कहना चाहता हूं कि भारत को आईपीसीसी और उसके नेतृत्व में पूरा भरोसा है। जरूरत पड़ने पर उसकी हर मुमकिन मदद की जाएगी।

- मनमोहन सिंह

गौरतलब है कि दिसंबर में हुए कोपनहेगन सम्मेलन के बाद यह पहला बड़ा वैश्विक सम्मेलन है।

'पाक
के अ
विस । न:
पाकिस्तान के
को समग्र वा
इसे भारत स
समर्पण की
कहना है कि
स्थिति से पूरी
की पहल बत
कहा है कि
मंत्रिमंडलीय
बिना की गइ
संसद में जोर
पार्टी प्रवक
शर्म अल शेर
एक और ब
प्रकट की है
पी. चिदंबरम
के साथ आत
कोशिशों क
संबंध में प्रधा
को स्पष्टीकर
दिग्विजय के
ने दिग्विजय
है कि दिग्वि
कांग्रेस अध्य
सहमति से अ
है कि अब ख
स्पष्ट करनी च